www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए
DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर
वर्ष – 04 अंक – 339 जौनपुर, गुरूवार, 30 जुलाई 2026 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य – 2 रूपये

आजादी की लड़ाई में वीर अब्दुल हमीद इसी गाजीपुर की धरती से थे - सीएम योगी

गाजीपुर, (एजेंसी)। गाजीपुर में सीएम योगी ने सपा सांसद अफजाल अंसारी पर निशाना साधते हुए कहा कि जहां के सांसद अवैध शस्त्र लाइसेंस बनवाने में व्यस्त, वहां के भगवान ही मालिक हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में यूपी में सब चंगा है, नो दंगा। दंगाई अब जेल में हैं। माफिया किसी के नहीं होते, ये समाज का खून चूसते हैं। ये कब्र में जाकर फातिया पढ़ने वाले लोग हैं। इसलिए डबल इंजन की सरकार ने पहले ही दिन तय किया था दंगाइयों को मिट्टी में मिलाने का काम किया जाएगा। दंगा करने वाले आज मिट्टी में दफन हो गए हैं

अब माफिया किसी भी बेटी की तरफ नजर उठाने से पहले डरते हैं। उन्हें पता है कि कहीं मिट्टी में दफन होना पड़ेगा। योगी आदित्यनाथ ने गहमर गांव का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने इसे एशिया और देश का सबसे बड़ा गांव बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गहमर को 12,000 फौजियों के गांव के रूप में जाना जाता है। उन्होंने बताया कि अकेले इसी गांव में 12 हजार से अधिक सैनिक और सेवारत अधिकारी निवास करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्र भारत में जब भी देश की सीमाओं की रक्षा की बात आती है, तो गाजीपुर के फौजियों का योगदान अविस्मरणीय है। जिले के सैनिकों ने 1961, 1965 और 1971 के युद्धों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त, कारगिल युद्ध और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों में भी उन्होंने अपना योगदान दिया। यह गाजीपुर की वीर भूमि का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी की लड़ाई और भारत–पाकिस्तान युद्ध में वीर अब्दुल हमीद इसी गाजीपुर की धरती से थे। उन्होंने बताया कि गाजीपुर राष्ट्र रक्षा और साहित्य के क्षेत्र में हमेशा अव्वल रहा है। योगी आदित्यनाथ ने सवाल उठाया कि आखिर यह गौरवशाली जिला क्यों गुमनाम हो गया था। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने गाजीपुर की पहचान का संकट खड़ा किया था, उन्हें सरकार ने सजा दी है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर सीधा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों ने महाराज सुहेलदेव के नाम पर कोई भी आयोजन नहीं होने दिया। इसके विपरीत, सपा और कांग्रेस सालार और गाजी के नाम पर मेले आयोजित करते रहे हैं। योगी ने कहा कि उनकी सरकार गाजीपुर के वास्तविक नायकों को सम्मान दे रही है।

संक्षिप्त खबरें

उत्तर पश्चिमी दिल्ली के केशव पुरम में 20 वर्षीय महिला केयरटेकर की सिर में गोली मारकर हत्या

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के केशव पुरम इलाके में एक इमारत की देखभालकर्ता के रूप में काम करने वाली 20 वर्षीय युवती की बुधवार को सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को केशव पुरम के शांति नगर स्थित एक इमारत में एक युवती की हत्या की सूचना मिली। अधिकारियों के मुताबिक, सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने बताया कि घटनास्थल के निरीक्षण के दौरान इमारत की तीसरी मंजिल पर स्थित एक कमरे से युवती का खून से लथपथ शव बरामद हुआ। अधिकारियों के अनुसार, युवती के सिर में गोली लगी हुई थी। उन्होंने बताया कि मृतका की पहचान आजादपुर निवासी ज्योति (20) के रूप में हुई है, जो दिन की पाली में इमारत की देखभालकर्ता के रूप में काम करती थी। अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि इसी इमारत में रात की पाली में देखभालकर्ता के रूप में काम करने वाले सौरभ नामक युवक के साथ उसका प्रेम प्रसंग था। अधिकारियों के मुताबिक, पुलिस को आशंका है कि किसी व्यक्तिगत मुद्दे पर हुए विवाद के बाद सौरभ ने ज्योति के सिर में गोली मार दी और मौके से फरार हो गया। अधिकारियों ने बताया कि अपराध जांच दल और विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम को घटनास्थल पर जांच के लिए बुलाया गया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है।

असम में बाढ़ को मानवजनित आपदा से उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा

गुवाहाटी, (एजेंसी)। कांग्रेस की असम इकाई ने बुधवार को आरोप लगाया कि राज्य के पूर्वी जिलों में आई विनाशकारी बाढ़ से उत्पन्न हालात सरकार द्वारा अदालत की ओर से जारी न्यायिक निर्देशों का लगातार उल्लंघन किए जाने का नतीजा हैं। पार्टी ने इस संबंध में गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर दखल देने का अनुरोध किया है। कांग्रेस ने दावा किया कि यह बाढ़ ''मानवजनित आपदा है।'' असम में बाढ़ से अब तक 78 लोगों की मौत हुई है और सात जिलों में 3,00,031 से अधिक लोग प्रभावित हैं। विपक्षी पार्टी के विधिक प्रकोष्ठ ने एक बयान में कहा कि पहले दायर की गई कई जनहित याचिकाओं और पुनर्विचार याचिका के आधार पर उच्च न्यायालय ने डिखो नदी घाटी की सुरक्षा, एक मास्टर प्लान बनाने और अवैध खनन रोकने के लिए कार्य बल की एक बटालियन तैनात करने के स्पष्ट निर्देश दिए थे। डिखो नदी ब्रह्मपुत्र की एक प्रमुख सहायक नदी है। यह नगालैंड से निकलती है और शिवसागर जिले से होते हुए असम में बहती है।

संयुक्त संसदीय समिति को शीतकालीन सत्र तक मिला समय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से जुड़े विधेयक पर विचार–विमर्श कर रही संयुक्त संसदीय समिति को अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए बुधवार को शीतकालीन सत्र तक का समय दिया गया। समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने इसकी रिपोर्ट जमा करने की समय–सीमा को शीतकालीन सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक बढ़ाने का लोकसभा में प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव को ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। संसद का शीतकालीन सत्र आमतौर पर नवंबर के आखिरी हफ्ते में शुरू होता है और क्रिसमस से पहले संपन्न हो जाता है। यह 41 सदस्यीय समिति एक देश, एक चुनाव व्यवस्था को लागू करने के लिए संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 पर विचार–विमर्श कर रही है। समिति 2029 तक, लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ कराने के प्रस्ताव पर देश भर में परामर्श कर रही है।

विपक्ष मुद्दाविहीन, गैर–जिम्मेदाराना व्यवहार कर रही है : जेपी नड्डा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। गुरुवार को केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा ने विपक्ष पर जानबूझकर संसद की कार्यवाही में बाधा डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हर मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष के पास उठाने के लिए कोई ठोस मुद्दा नहीं है। राज्यसभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि मॉनसून सत्र की शुरुआत से ही विपक्ष का ध्यान

सदन के कामकाज में बाधा डालने पर रहा है। सरकार नड्डा ने कहा कि विपक्ष का रवैया नकारात्मक रहा है। सत्र शुरू होने के बाद से ही उनका पूरा ध्यान सदन को सुचारू रूप से चलने देने के बजाय उसकी कार्यवाही में बाधा डालने और रुकावट पैदा करने पर रहा है। मैंने देखा है कि विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है। उनकी आदत है कि वे लगातार अपने मुद्दे बदलते रहते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार संसद में चर्चा के लिए हमेशा तैयार रही है और विपक्ष पर बहस से बचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से मैं एक बात साफ करना चाहता हूँ। पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हर मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार है––और यह सिर्फ मौजूदा सत्र तक ही सीमित नहीं है। पिछले सभी सत्रों में, सरकार हमेशा हर मामले पर चर्चा के लिए तैयार रही है, और जब भी चर्चा हुई है, विपक्ष को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है और मुँहतोड़ जवाब मिला है क्योंकि उनके पास कोई ठोस मुद्दा नहीं होता। दिन के कामकाज का जिक्र करते हुए, नड्डा ने कहा कि राज्यसभा में चर्चा होनी थी ।

पीएम मोदी दो अगस्त से शुरू करेंगे 100 सप्ताह का अभियान, एक करोड़ युवा लेंगे नशामुक्ति की शपथ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नशे के खिलाफ देश में सबसे बड़ी जंग शुरू होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 अगस्त को नशा मुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियान का आगाज करेंगे। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बताया कि यह 100 सप्ताह तक चलने वाला राष्ट्रव्यापी जनजागरूकता अभियान होगा। इसके तहत देशभर के 10,000 स्थानों पर वॉकेथॉन, खेल प्रतियोगिताएं, नुक्कड़ नाटक, ध्यान सत्र और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान में एक करोड़ से अधिक युवा नशामुक्ति की शपथ लेंगे। अभियान में स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, युवा क्लब, स्वयंसेवी संगठन और 125 से अधिक आध्यात्मिक संस्थाएं भी भाग लेंगी।

देश में सबसे अधिक गांजा, हेरोइन, अफीम, चरस, कोकीन, एमडीएमए (एक्स्टेसी), मेथामफेटामाइन (आइस), नशीली गोलियां, कोडीन युक्त कफ सिरप और अन्य साइकोट्रॉपिक दवाओं का सेवन और अवैध कारोबार सामने आ रहा है। भारत के 10 बड़े शहरों में करीब 5,900 स्कूली छात्रों पर किए सर्वेक्षण में पाया गया कि बच्चे 11 से 14 वर्ष की उम्र में ही नशीले पदार्थों के संपर्क में आ रहे हैं। यह शोध 2025 में एम्स के वैज्ञानिकों और अन्य विशेषज्ञों की टीम ने किया। यह नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया में प्रकाशित किया गया है। सर्वे दिल्ली, मुंबई, बंगलूरू, जयपुर, लखनऊ समेत अन्य क्षेत्रों के स्कूलों में हुआ। पाकिस्तान से सटी सीमा के चलते नशे के दंश से देश में पंजाब सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है। इसके अलावा दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, केरल, मध्य प्रदेश, असम, मणिपुर और मिजोरम मादक पदार्थों से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में शामिल हैं। पंजाब–हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब में नशे के संकट पर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि नशा राज्य के अस्तित्व पर खतरा बन सकता है।

पेपर लीक बिल राज्यसभा में पेश, जितेंद्र सिंह ने विपक्ष को घेरा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने उच्च सदन में पेपर लीक रोकने वाला बिल पेश किया। उन्होंने समय और 2014 के बाद विपक्ष शासित राज्यों में हुए पेपर लीक की घटनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जैसा कि हम सभी जानते हैं, यह बिल निचले सदन से पास हो चुका है, जहाँ इस पर चर्चा के लिए 10 घंटे का समय दिया गया था। बार–बार रुकावटों और शोर–शराबे के बीच भी चर्चा हुई और पूरा जवाब भी उसी हंगामे के बीच दिया गया। अब यह बिल ऊपरी सदन में आया हैकृबुजुर्गों का सदन, वरिष्ठों का सदन, समझदारों का सदन, परिपक्व लोगों का सदन। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में कहा कि स्पेशल टास्क फोर्स द्वारा पेपर लीक की जांच 2–3 महीने के

भीतर पूरी कर ली जाएगी। सिंह ने यह सवाल भी उठाया कि कई दशकों तक सरकारी परीक्षाओं में पेपर लीक की समस्या से निपटने के लिए कोई व्यापक कानून क्यों नहीं था, जब तक कि नरेंद्र मोदी सरकार ने 2024 में मूल कानून पेश नहीं किया। इससे पहले लोकसभा ने बुधवार को 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' को मंजूरी दे दी। नीट प्रश्नपत्र लीक की पृष्ठभूमि में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) अधिनियम, 2024 में सख्त प्रावधान शामिल करने के लिए लाए गए इस संशोधन विधेयक पर हुई चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की कुछ टिप्पणियों को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इस कारण सदन की कार्यवाही पहले एक बार करीब 40 मिनट के लिए अपराह्न ढाई बजे तक और फिर तीन बजे तक स्थगित कर दी गई। तीन बजे सदन की बैठक शुरू होने पर कांग्रेस के सांसद 'एलओपी को बोलने' दो के नारे लगाते हुए हंगामा कर रहे थे। हंगामे के बीच ही प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब दिया और उनके जवाब के बाद सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को मंजूरी प्रदान कर दी। विधेयक पारित होने के बाद कांग्रेस सांसदों की नारेबाजी के बीच ही अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी। चर्चा का जवाब देते हुए जितेंद्र सिंह ने कहा कि नीट प्रश्नपत्र लीक के मामले में सरकार ने फौरन कार्रवाई की ।

2027 में जनता सरकार बदलने के लिए तैयार – अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को भदोही जिले का नाम फिर से संत रविदास नगर किए जाने के फैसले को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ''नाम बदलने का खेल'' अब समाप्त होगा, क्योंकि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में जनता सरकार बदलने की तैयारी कर चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से बुधवार को वाराणसी में की गई घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यादव ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''जो लोग देवी–देवताओं तक के नाम बदल सकते हैं, उनसे और क्या उम्मीद की जा सकती है? अब नाम बदलने का यह खेल खत्म होगा, क्योंकि जनता सरकार बदलने के लिए तैयार है।'' सपा प्रमुख की यह टिप्पणी मुख्यमंत्री आदित्यनाथ द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'समरसता संकल्प अभियान' के शुभारंभ के अवसर पर भदोही जिले का नाम फिर से संत रविदास नगर किए जाने की घोषणा के कुछ

घंटे बाद आई। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले इस अभियान को भाजपा की दलित संपर्क पहल के रूप में देखा जा रहा है। वाराणसी से अलग कर बनाए गए भदोही जिले का नाम तत्कालीन समाजवादी पार्टी सरकार ने छह दिसंबर, 2014 को संत रविदास नगर से बदलकर भदोही कर दिया था। वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम में आदित्यनाथ ने कहा कि संत रविदास की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर जिले का पुराना नाम बहाल करना उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।

सांसदों की संख्या बढ़ाने के बजाय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाए सरकार – उद्धव ठाकरे

मुंबई, (एजेंसी)। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि सरकार को सांसदों की संख्या बढ़ाने के बजाय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। तीन पुस्तकों के विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए उद्धव ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी का परोक्ष रूप से उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा भगवान राम के साथ भी ''इस्तेमाल करो और छोड़ दो'' की नीति अपनाती है।

सावन के पहले दिन उमड़ी श्रद्धालुओं के भीड़, नागेश्वरनाथ मंदिर में गूंजे 'हर–हर महादेव' के जयकारे

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।सावन के पवित्र माह के पहले दिन उमड़ पड़ा आस्था का जनसैलाब।गुरुवार सुबह तड़के से ही लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र सरयू नदी में आस्था की डुबकी लगाकर भगवान शिव और प्रभु श्रीराम का स्मरण किया। राम की पैड़ी स्थित प्रसिद्ध नागेश्वरनाथ मंदिर में दर्शन–पूजन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। मंदिर परिसर श्हर–हर महादेवश के जयघोष से गुंजायमान रहा।बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख–समृद्धि और विश्व कल्याण की कामना की। सावन माह के पहले सोमवार को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।प्रमुख मंदिरों, घाटों और संवेदनशील स्थलों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

ग्रेटर नोएडा के गौर सिटी में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर साई सेवा ट्रस्ट द्वारा भव्य भंडारा एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ/
सत्य प्रकाश उपाध्याय

ग्रेटर नोएडा । ग्रेटर नोएडा के गौर सिटी में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर साईं सेवा ट्रस्ट द्वारा श्रद्धालुओं के लिए भव्य भंडारा एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर प्रसाद ग्रहण किया तथा गुरु परंपरा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इस अवसर पर साईं सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री कन्हैया जी, महासचिव श्री संजय पाठक, AOA अध्यक्ष श्री गौरव विक्रम प्रताप सिंह, AOA कोषाध्यक्ष श्री विपुल पुरी सहित ट्रस्ट एवं

आरडब्ल्यूए के अनेक पदाधिकारियों और समाजसेवियों ने सक्रिय सहभागिता निभाईद्य कार्यक्रम में उपस्थित समाजसेवी एवं भाजपा मंडल मंत्री राजकुमार दुबे ने देश की उपासना समाचार पत्र से बातचीत में कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूरे देश में संत सम्मान एवं समरसता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज में सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक मूल्यों, गुरु–शिष्य परंपरा तथा राष्ट्र प्रथमश की भावना को जन–जन तक पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल अपने गुरु के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का पर्व नहीं, बल्कि समाज को सेवा, संस्कार और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रेरित करने का भी अवसर है। कार्यक्रम का समापन सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण एवं राष्ट्र एवं समाज की सुख–समृद्धि की मंगलकामना के साथ हुआ।

संपादकीय

हर तीसरी थाली से पोषण गायब

कई बार हमारी थाली में खाना तो होता है, लेकिन उसमें वे पोषक तत्व जैसे विटामिन, लौह तत्व, खनिज और प्रोटीन नहीं होते, जो शरीर को स्वस्थ और चुस्त–दुरुस्त रखने के लिए जरूरी हैं। ऐसे में पेट तो भर जाता है, लेकिन शरीर कुपोषण का शिकार बना रहता है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने चेतावनी दी है कि पिछले पांच वर्षों में स्वस्थ आहार की वैश्विक लागत 25 प्रतिशत बढ़ गई है, जो गरीबी में जीवनयापन करने वाले लोगों की पहुंच से बाहर होती जा रही है। वर्ष 2025 में 64.5 करोड़ लोगों को भुखमरी का सामना करना पड़ा। यह आंकड़ा 2019 में कोविड–19 महामारी से पहले की तुलना में 6.1 करोड़ अधिक है। एक ओर किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर उपभोक्ताओं को वही खाद्य सामग्री खरीदने के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है। हाल के वर्षों में वैश्विक स्तर पर भूख और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में कुछ सुधार जरूर हुआ है, लेकिन दुनिया अब भी वर्ष 2030 के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) से काफी दूर है। संयुक्त राष्ट्र की श्द स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड 2026श रिपोर्ट भी यही संकेत देती है। स्वस्थ और पौष्टिक आहार वह है, जो मानव शरीर की जैविक आवश्यकताओं तथा वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित चार मूलभूत कसौटियों पर खरा उतरता हो। पहला है विविधता, यानी भोजन में सभी प्रमुख खाद्य समूहों के साथ विभिन्न प्रकार के पौष्टिक खाद्य पदार्थ शामिल हों। दूसरा है पर्याप्तता, अर्थात शरीर की आवश्यकता के अनुसार सभी जरूरी पोषक तत्व और जैव–सक्रिय (बायोएक्टिव) यौगिक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हों। तीसरा है संतुलन, यानी कार्बोहाइड्रेट, वसा और प्रोटीन जैसे ऊर्जा स्रोत उचित अनुपात में हों। चौथा है संयम, अर्थात ऐसे तत्वों का सीमित सेवन किया जाए, जिनकी अधिक मात्रा स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती है। यही चार सिद्धांत किसी भी संतुलित और स्वस्थ आहार की आधारशिला माने जाते हैं। स्वस्थ और संतुलित भोजन केवल बेहतर स्वास्थ्य और बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए ही जरूरी नहीं है, बल्कि यह आजीविका, उत्पादकता और सामाजिक–आर्थिक प्रगति का भी महत्वपूर्ण आधार है। इसके बावजूद दुनिया अस्वास्थ्यकर खानपान के विरोधाभास से जूझ रही है। यही कारण है कि खराब आहार आज वैश्विक रोग–भार (ग्लोबल डिजीज बर्डन) के प्रमुख कारणों में शामिल है, जिसके चलते स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक कल्याण– तीनों स्तरों पर भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के मुख्य अर्थशास्त्री मैक्सिमो टोरेरो कुलेन के अनुसार, वर्ष 2025 में दुनिया के लगभग 2.69 अरब लोग, यानी हर तीन में से एक व्यक्ति, ऐसा पौष्टिक आहार खरीदने में सक्षम नहीं थे, जो शरीर की ऊर्जा और आवश्यक पोषक तत्वों की जरूरत पूरी कर सके। पेट भरने वाले सस्ते अनाज तो उपलब्ध हैं, लेकिन फल, सब्जियां और अन्य पोषक खाद्य पदार्थ लगातार महंगे होते जा रहे हैं। इसकी एक बड़ी वजह कृषि से लेकर उपभोक्ता तक फैली लंबी और असंतुलित खाद्य आपूर्ति शृंखला है। किसानों से कम कीमत पर खरीदे गए कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण, पैकेजिंग और ब्रांडिंग होने के बाद उनका मूल्य कई गुना बढ़ जाता है।

बांग्लादेश से व्यापार के लिए पुतिन ने भारतीय रुपए पर लगाया दांव

नीरज

रूस ने बांग्लादेश के साथ भारतीय रुपये में व्यापार करने का प्रस्ताव देकर दक्षिण एशिया की भू–राजनीति में नई हलचल पैदा की तो अमेरिकी है। यह प्रस्ताव रूस–यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिकी और पश्चिमी प्रतिबंधों से उत्पन्न वित्तीय संकट का सीधा जवाब है। प्रतिबंधों के कारण रूसी बैंक वैश्विक भुगतान प्रणाली से काफी व्यवस्था तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि रूस–बांग्लादेश बिजनेस काउंसिल, वस्त्र निर्यातकों का पंजीकरण, विशेष आर्थिक क्षेत्रों में निवेश, लघु एवं मध्यम उद्योगों के है जिसके तहत वह रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण और वैकल्पिक वित्तीय तंत्र के निर्माण पर जोर दे रहा है। इसी पृष्ठभूमि में सर्जियो गोर का 30 जुलाई का ढाका दौरा विशेष महत्व प्राप्त करता है। सर्जियो गोर, जो दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए अमेरिकी विशेष दूत होने के साथ भारत में अमेरिका के राजदूत भी हैं, वह बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान और विदेश मंत्री खलीलुर रहमान से मुलाकात कर रहे हैं। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब प्रधानमंत्री तारिक रहमान हाल ही में चीन की यात्रा कर चुके हैं और बीजिंग के साथ व्यापार, आर्थिक गलियारे तथा रक्षा सहयोग को नई गति देने पर सहमति बनी है। विशेष रूप से बांग्लादेश–म्यांमार आर्थिक गलियारे के चीनी प्रस्ताव ने वॉशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत में अपने राजदूत सर्जियो गोर को तुरंत ढाका जाने का निर्देश दे डाला। इन दोनों घटनाक्रमों को साथ जोड़कर देखें तो तस्वीर साफ नजर आती है। एक ओर रूस अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए भारत की वित्तीय ताकत का सहारा लेकर बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ना चाहता है, वहीं दूसरी ओर चीन और रूस के साथ ढाका की बढ़ती नजदीकियों ने वॉशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है। माना जा रहा है कि इसी वजह से ट्रंप प्रशासन ने अपने शीर्ष राजनयिक को ढाका भेजने का फैसला किया है। भारत के लिए यह घटनाक्रम इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें रुपया, क्षेत्रीय कूटनीति और हिंद–प्रशांत की बदलती रणनीतिक राजनीति एक साथ जुड़ते दिखाई दे रहे हैं। हम आपको बता दें कि रूस ने बांग्लादेश को प्रस्ताव दिया है कि दोनों देशों के बीच होने वाला व्यापार भारतीय रुपये में निपटाया जाए। इसके साथ ही मॉस्को एक विशेष भुगतान तंत्र विकसित करने, ढाका में रूसी बैंक की शाखा खोलने तथा प्रत्यक्ष बैंकिंग संपर्क स्थापित करने की भी पहल कर रहा हद तक कट गए हैं और इसी वजह से मॉस्को चीन, तुर्किये और भारत जैसे देशों के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की नीति पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस प्रस्ताव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि रूस ने चीनी युआन की बजाय भारतीय रुपये को प्राथमिकता दी है। इससे पहले रूपपुर परमाणु ऊर्जा परियोजना के ऋण भुगतान के लिए युआन का विकल्प सामने आया था, लेकिन चीन और बांग्लादेश के बैंक अमेरिकी प्रतिबंधों के जोखिम के कारण भुगतान प्रक्रिया का हिस्सा बनने से हिचक गए। परिणामस्वरूप अरबों डॉलर की ऋण किस्तें अभी भी सोनाली बैंक में रूस के नाम खोले गए खाते में फंसी हुई हैं। ऐसे में भारतीय रुपया रूस के लिए अपेक्षाकृत अधिक व्यावहारिक और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभरा है। यह भारत की वित्तीय विश्वसनीयता और रुपये के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय महत्व का भी संकेत है। बताया जा रहा है कि सितंबर या अक्टूबर में होने वाली बांग्लादेश–रूस अंतर–सरकारी आयोग की बैठक में इस प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा होगी। हम आपको बता दें कि रूस केवल भुगतान सहयोग तथा कृषि और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने का भी प्रस्ताव लेकर आया है। मॉस्को ने बांग्लादेश को अंतरराष्ट्रीय बाजार से 10 डॉलर प्रति टन कम कीमत पर लगभग 2.8 लाख टन यूरिया उर्वरक उपलब्ध कराने की पेशकश भी की है। इसके अलावा सूरजमुखी तेल, दालों और अन्य आवश्यक वस्तुओं के निर्यात में भी रुचि दिखाई है। दूसरी ओर ढाका प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, नवाचार, कृषि, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में सहयोग को अपनी प्राथमिकता बना रहा है। देखा जाये तो सामरिक दृष्टि से यह घटनाक्रम भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यदि रूस और बांग्लादेश के बीच व्यापार भारतीय रुपये में होता है, तो यह दक्षिण एशिया में रुपये के अंतरराष्ट्रीय उपयोग को नई गति देगा। इससे डॉलर आधारित भुगतान प्रणाली पर निर्भरता कम होगी और भारत एक क्षेत्रीय वित्तीय सेतु के रूप में उभर सकता है। यह भारत की उस दीर्घकालिक रणनीति के भी अनुकूल

यही वह बिंदु है जहां पूरी तस्वीर स्पष्ट होती है। रूस आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ना चाहता है, चीन अवसंरचना और सामरिक संपर्क के माध्यम से अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है, जबकि अमेरिका इस बढ़ती रूस–चीन धुरी को संतुलित करने के लिए सक्रिय हो गया है। सर्जियो गोर का ढाका दौरा इसी रणनीतिक प्रतिक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है। ट्रंप प्रशासन यह समझता है कि यदि बांग्लादेश रूस और चीन के साथ गहरे आर्थिक एवं सामरिक रिश्ते विकसित करता है, तो बंगाल की खाड़ी से लेकर हिंद–प्रशांत तक शक्ति संतुलन बदल सकता है। इसलिए वॉशिंगटन अब ढाका की विदेश नीति की प्राथमिकताओं को प्रत्यक्ष रूप से समझना और उसे अपने प्रभाव क्षेत्र में बनाए रखना चाहता है। दूसरी ओर, भारत के लिए यह पूरा घटनाक्रम अवसर इसलिए है कि रूस भारतीय रुपये को क्षेत्रीय भुगतान की धुरी बनाना चाहता है और बांग्लादेश पहले से ही भारत के साथ कुछ व्यापार रुपये में करता है। साथ ही भारत के लिए यह घटनाक्रम चुनौती भी है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की बढ़ती क्षमता

आदित्य

लोकसभा में अरबपतियों की संख्या से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी द्वारा दी गई जानकारी भारतीय अर्थव्यवस्था के एक ऐसे पक्ष को सामने लाती है, जिस पर गंभीरता से विचार होना ही चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आयकर कानून में अरबपति शब्द की कोई वैधानिक परिभाषा नहीं दी गई है, लेकिन आयकर रिटर्न में 100 करोड़ रुपये या उससे अधिक की सकल कुल आय घोषित करने वाले उद्यमियों की संख्या 2021–22 में 142 थी, जो 2025–26 में 576 हो गई है। चार वर्षों में चार गुना से अधिक की यह वृद्धि पहली नजर में भारतीय अर्थव्यवस्था की बढ़ती क्षमता, उद्यमिता और निवेश–अनुकूल वातावरण का संकेत देती है। लेकिन, इस आंकड़े का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जब अति समृद्ध लोगों की संख्या इतनी तेजी से बढ़ रही है, तब क्या देश के आम नागरिकों की आय, जीवन–स्तर और अवसरों में भी उसी अनुपात में सुधार हो रहा है? यह स्वीकारने में कोई संदेह नहीं कि बड़े उद्योगपति और सफल उद्यमी रोजगार पैदा करते हैं, निवेश बढ़ाते हैं, नई तकनीक लाते हैं और सरकार के लिए कर राजस्व का बड़ा स्रोत भी बनते हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत में भी विनिर्माण, डिजिटल अर्थव्यवस्था, स्टार्टअप, रक्षा उत्पादन, बुनियादी ढांचे और सेवा क्षेत्र में जिस प्रकार का विस्तार हुआ है, उसने नए कारोबारी अवसर पैदा किए हैं। इसके अलावा, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, जीएसटी और कारोबारी माहौल को सरल बनाने के ऐसे ही अन्य प्रयासों ने भी उद्योग जगत का विश्वास बढ़ाया है। इसलिए, यह स्वाभाविक है कि बड़ी पूंजी वाले उद्यमियों की संख्या में बढ़ोतरी दिखाई दे। लेकिन, आर्थिक विकास सिर्फ इस बात से नहीं मापा जा सकता कि कितने नए अरबपति बनेय अलबत्ता अधिक

महत्वपूर्ण यह है कि विकास का लाभ समाज के कितने बड़े हिस्से तक पहुंचा। वैश्विक असमानता रिपोर्ट–2026 के अनुसार, भारत की सिर्फ एक फीसदी आबादी के पास कुल संपत्ति का 40 फीसदी हिस्सा है। आय के स्तर पर भी देखें, तो स्थिति गंभीर दिखती है, जहां देश की शीर्ष 10 फीसदी आबादी राष्ट्रीय आय का 58 फीसदी हिस्सा अर्जित करती है, वहीं नीचे का 50 फीसदी वर्ग महज 15 फीसदी आय पर निर्भर है।

सौ करोड़ रुपये से अधिक कमाने वाले कारोबारियों की संख्या का बढ़ना बेशक एक उपलब्धि है, लेकिन किसी अर्थव्यवस्था की वास्तविक सफलता अवसरों के न्यायपूर्ण वितरण में निहित होती है। ऐसे में, यह जरूरी है कि समृद्धि कुछ हाथों तक सीमित न रहकर कमजोर व वंचित वर्गों के जीवन में भी ठोस बदलाव लाए।

.... विविध/स्वास्थ्य ....

रात में सोने से पहले अपनाएं ये नाइट रूटीन, सुबह चेहरे पर आएगा नेचुरल ग्लो

घर से बाहर निकलने से पहले आप स्किन की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखती हैं। लेकिन लोग रात को स्किन केयर करना नजरअंदाज कर देते हैं। इससे स्किन में रूखापन, खिंचाव, कालापन और टैन जैसी समस्याएं होने लगती है।

गर्मियों के मौसम में धूप, धूल और पसीना आदि स्किन को नुकसान पहुंचाते हैं। घर से बाहर निकलने से पहले आप स्किन की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखती हैं। लेकिन अक्सर लोग रात को स्किन केयर करना नजरअंदाज कर देते हैं। इससे स्किन में रूखापन, खिंचाव, कालापन और टैन जैसी समस्याएं होने लगती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि रात में स्किन केयर रूटीन कैसा होना चाहिए।

बेड टाइम रूटीन

रात का समय स्किन के लिए सबसे ज्यादा अहम होता है। क्योंकि दिन भर की धूप, धूल, पसीना और मेकअप की परतों के कारण स्किन अपना नेचुरल ग्लो खो देती है। वहीं रात में स्किन खुद को रिपेयर करती है। ऐसे में अगर रात को स्किन केयर सही से किया जाए, तो अगली सुबह आपकी स्किन ग्लोइंग और तरोताजा लगेगी। लेकिन गर्मी के मौसम में स्किन केयर मौसम और वातावरण के हिसाब से तय किया जाता है।

क्लीजिंग

रात को घर वापसी के बाद बार–बार पानी से फेस धोने से चेहरा और खराब हो जाता है। इसलिए पानी से मुंह धोने के बाद हल्के क्लींजर से फेस को साफ करें। इससे स्किन की साफ रहेगी और ड्राई भी नहीं रहेगी।

टोनिंग

कई महिलाएं टोनिंग को नॉर्मल मानती हैं। लेकिन रात को टोनर का इस्तेमाल करने से स्किन पोर्ट टाइट होते हैं, स्किन फ्रेश रहती है और ऑयल कंट्रोल होता है।

मॉइश्चराइजर

सुबह की तरह रात को सोने से पहले मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करना चाहिए। कई लोग गर्मियों में मॉइस्चराइजर को स्किप कर देते हैं, क्योंकि पसीना आता है। लेकिन स्किन को हर मौसम में हाइड्रेशन चाहिए होता है। इसलिए लाइट और नान–ग्रीसी वाला मॉइश्चराइजर इस्तेमाल कर सकती हैं।

बेड टाइम स्किन केयर

स्किन केयर का मतलब सिर्फ ब्यूटी प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल से नहीं होता है। इसमें नियमित रूप से स्किन की देखभाल करना, सही डाइट लेना, हाइड्रेट रहना और स्किन केयर के समय समय

निकालना ही मूल मंत्र है। इसलिए प्रयास करें कि फेस पर घरेलू प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल ज्यादा करें। इससे आपके फेस को ठंडक मिलेगी और नेचुरल ग्लो आएगा।

गर्म मौसम में स्किन केयर

गर्म मौसम में पके केले या तरबूज में दूध पाउडर और शहद मिलाकर फेस पर अप्लाई करें। इससे स्किन पर नमी आएगी और बेजान चेहरा फिर से खिल उठेगा।

टमाटर के रस में ओटमील मिलाकर फेस पर लगाएं। इससे स्किन के पोर्स टाइट होते हैं और डेड स्किन हटती है।

फेस पर आलू या खीरे की स्लाइस रगड़ने से स्किन को ठंडक मिलती है और ग्लो वापस आता है।

उमस या नमी वाले मौसम का स्किन केयर दौड़नाऔर चलना

मुल्तानी मिट्टी, चंदन पाउडर और चने के आटे को एक साथ मिलाकर फेस पैक बना लें। फिर इससे चेहके को साफ करें। इस फेस पैक को लगाने से एक्स्ट्रा ऑयल कंट्रोल होता है।

फेस के ब्लैकहेड्स हटाने के और ग्लो लगाने के लिए पपीते का इस्तेमाल कर सकती हैं।

सनबर्न और टैन के लिए

अगर टैन और सनबर्न की वजह से आपकी स्किन खराब हो गई है, तो आप कुछ स्किन केयर टिप्स आजमा सकती हैं।

लैवेंडर ऑयल में ठंडा दूध या पानी मिलाकर लगाने से सनबर्न से राहत मिलती है।

ओटमील और दही का फेस पैक बनाकर चेहरे पर लगाने से टैनिंग हटती है। साथ ही इससे फेस पर ग्लो भी आता है।

गर्मियों में कोई भी स्किन केयर रूटीन फॉलो करने से पहले ज्यादा जरूरी अपनी स्किन टाइप को समझना है। आपकी स्किन कैसी है, आप जहां रहती हैं वहां पर गर्मी कैसी है। दिनभर आपकी त्वचा कैसी प्रतिक्रियाएं देती हैं। यह सारी चीजें हेल्दी स्किन के लिए जानना जरूरी होता है। वहीं सही बेड टाइम रूटीन फॉलो करने से और कुछ घरेलू उपायों को अपनाने से आपके फेस पर नेचुरल ग्लो बना रहता है।

मॉइश्चराइजर लगाना न भूलें

गर्मियों में सूर्य से बचना जरूरी है। इसलिए घर से बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन को मॉइस्चराइजर के ऊपर लगाना न भूलें। अगर आपकी स्किन सेंसिटिव है, तो अल्कोहल फ्री, टाइटेनियम डाइऑक्साइड या जिंक ऑक्साइड वाली सनस्क्रीन युक्त मॉइस्चराइजर चुन सकती है। इसस सूरज की युवी किरणों से बेहतर बचाव होता है।

मानसून सीजन में बना लें तमिलनाडु के इन 5 हिल स्टेशंस का प्लान, हमेशा के लिए यादगार बन जाएगी ट्रिप

तमिलनाडु का नाम सुनकर अक्सर लोगों के मन में एक ऐसे राज्य की तस्वीर उभर आती है। जो अपने गर्म मौसम के लिए जाना जाता है। लेकिन प्रकृति ने इस राज्य को कई खूबसूरत हिल स्टेशंस से नवाजा है। जो आपको सुकून और शांति का एहसास कराते हैं। ऐसे में अगर आप भी तमिलनाडु घूमने का प्लान कर रहे है, तो आपको यहां के कुछ फेमस हिल स्टेशंस को एक्सप्लोर करना चाहिए।

ऊटी

तमिलनाडु में मानसून के दौरान घूमने के लिए श्क्वीन ऑफ हिल्सश के नाम से फेमस ऊटी जा सकते हैं। नीलगिरि पहाड़ियों पर बसा यह हिल स्टेशन पहाड़ों, चाय के बागानों और खूबसूरत झीलों के लिए जाना जाता है। यहां आने वाले पर्यटक नीलगिरि माउंटेन रेलवे की सवारी का भी मजा ले सकते हैं। इसके अलावा आप ऊटी झील में नाव की सवारी का लुत्फ उठा सकते हैं।

कोडाइकनाल

मानसून में आप कोडाइकनाल के घने जंगलों, खूबसूरत झरनों और बादलों से ढकी घाटियों को देख सकते हैं। इन शानदार नजारों को देखकर आपको जन्नत में आने का एहसास होगा। बारिश के बाद बॉयट

पार्क, कोकर वॉक, पिलर रॉक्स और सिल्वर कैस्केड फॉल्स जैसी जगहों को देख सकते हैं। वहीं यहां के सुहावने मौसम में आप साइकिलिंग, नेचर वॉक और फेमस कोडाई झील के किनारे सुकून भरे पल बिता सकते हैं।

यरकौड

शेवरॉय पहाड़ियों में बसा यरकौड एक शांत और बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह कॉफी बागानों और संतरे के बागों के लिए जाना जाता है। मॉनसून के दौरान किलीयूर फॉल्स, यरकौड झील और लेडीज सीट व्यू पॉइंट की खूबसूरती देखने लायक होती है।

कुन्नूर

कुन्नूर धुंध भरी पहाड़ियों, चाय के बागानों और पूरे साल रहने वाले सुहावने मौसम के लिए फेमस है। मॉनसून के दौरान डॉल्फिंस नोजस, सिम्स पार्क और कैथरीन फॉल्स जैसी जगहे बेहद खूबसूरत लगती हैं। यहां पर आकर आप टॉय ट्रेन की सवारी का लुत्फ ले सकते हैं। इसके अलावा चाय बनाने का प्रोसेस जानने के लिए आप चाय की फैक्ट्रियां घूम सकते हैं।

कोटागिरी

यह नीलगिरि के सबसे पुराने हिल स्टेशनों में से एक है। कोटागिरी अपने शांत वातावरण के लिए जाना जाता है।

मॉनसून में यहां की घाटियां हरियाली से भर जाती हैं। कैथरीन फॉल्स झरने की खूबसूरती देखने वाली होती है। नेचर लवर्स यहां पर चाय के बागानों, ट्रेकिंग ट्रेल्स और शानदार व्यू पॉइंट देख सकते हैं। यह जगह भीड़भाड़ से कम दूर ठंडे मौसम और ताजी हवा के लिए परफेक्ट है।

गुरु पूर्णिमा पर कई तरह की पंजीरी बनाएं, मिनटों में तैयार होगा स्वादिष्ट प्रसाद

गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति का एक अत्यंत पावन और आध्यात्मिक पर्व है। इस दिन गुरु के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के साथ भगवान श्रीकृष्ण, भगवान विष्णु और महर्षि वेदव्यास की पूजा भी की जाती है। पूजा के बाद प्रसाद के रूप में पंजीरी का विशेष महत्व माना जाता है। पंजीरी न केवल स्वादिष्ट होती है, बल्कि यह पौष्टिक भी होती है। घी, आटा, सूखे मेवे, मखाना, धनिया और कई तरह की सामग्री से तैयार होने वाली पंजीरी शरीर को ऊर्जा देने के साथ धार्मिक परंपरा का भी अहम हिस्सा है। अगर इस गुरु पूर्णिमा पर आप हर साल की तरह सिर्फ एक ही तरह की पंजीरी बनाने की बजाय कुछ नया ट्राई करना चाहते हैं, तो यहां हम आपके लिए लेकर आए हैं 5 अलग–अलग तरह की आसान और स्वादिष्ट पंजीरी रेसिपीज। इन रेसिपीज को बनाने में ज्यादा समय नहीं लगता और ये प्रसाद के लिए बिल्कुल उपयुक्त हैं। इनमें से कुछ पंजीरी हेल्दी हैं, जबकि कुछ

बच्चों और बड़ों सभी को बेहद पसंद आएंगी। आइए जानते हैं गुरु पूर्णिमा पर बनने वाली 5 खास पंजीरी की आसान रेसिपी, जिन्हें बनाकर आप पूजा का प्रसाद और भी विशेष बना सकते हैं।

डीएम के आदेश के बाद भी खलिहान की भूमि से नहीं हटा अतिक्रमण, पीड़ित ने फिर लगाई न्याय की गुहार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बदलापुर तहसील क्षेत्र के राजेपुर गांव निवासी रामप्रताप सिंह ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि सरकारी खलिहान की भूमि पर वर्षों से अवैध कब्जा बरकरार है। उनका कहना है कि जिलाधिकारी के निर्देश और तहसीलदार के बेदखली आदेश के बावजूद अब तक अतिक्रमण नहीं हटाया गया है। शिकायत के अनुसार, ग्राम राजेपुर की आराजी संख्या 9मि0. 384 हेक्टेयर, जो राजस्व अभिलेखों में खलिहान के रूप में दर्ज है, उस पर कई लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर पक्का निर्माण कर लिया है। मामले की पैमाइश लेखपाल द्वारा कराई गई थी, जिसके बाद उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता–2006 की धारा 67 के तहत वाद दर्ज किया गया। पीड़ित का आरोप है कि तहसीलदार बदलापुर ने विभिन्न वादों में बेदखली के आदेश पारित किए थे। 28 नवंबर 2023 को जारी आदेश में भी सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने का निर्देश दिया गया था, लेकिन आज तक आदेश का पालन नहीं कराया गया। रामप्रताप सिंह का कहना है कि तहसील प्रशासन अपने ही आदेश को लागू कराने में विफल साबित हो रहा है, जिससे सरकारी खलिहान की भूमि पर अवैध कब्जा यथावत बना हुआ है। उन्होंने जिलाधिकारी से मामले में हस्तक्षेप कर तत्काल अतिक्रमण हटवाने, आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराने तथा जिम्मेदार अधिकारियों एवं कब्जाधारकों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

जीवन मिशन की समीक्षा बैठक सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. की अध्यक्षता में देर सायं कलेक्ट्रेट सभागार में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न ग्रामों में संचालित पेयजल परियोजनाओं की प्रगति, रोड रेस्टोरेशन, कार्यों की गुणवत्ता तथा निर्धारित समय–सीमा के भीतर परियोजनाओं को पूर्ण कराने की समीक्षा की गई। बैठक में प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने, पाइपलाइन बिछाने, घरेलू नल कनेक्शन, ओवरहेड टैंक निर्माण तथा जलापूर्ति व्यवस्था के नियमित संचालन की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कार्य पूर्ण होने के उपरांत क्षतिग्रस्त सड़कों का रोड रेस्टोरेशन एवं साफ–सफाई का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए। जिलाधिकारी ने भूमि विवाद एवं विद्युत आपूर्ति से संबंधित समस्याओं का संबंधित विभागों के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिन स्थानों पर कार्य धीमी गति से संचालित हो रहे हैं, वहां पर श्रमिकों की संख्या बढाकर, मशीनरी और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर कार्य में तेजी लाई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिशासी अभियंता जल निगम और अन्य संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि सभी परियोजनाओं को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जलापूर्ति से संबंधित शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए तथा नियमित स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। साथ ही परियोजनाओं की सतत निगरानी करते हुए शासन को समय–समय पर अद्यतन प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी विभाग एवं कार्यदायी संस्थाएं टीम भावना के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि पानी पहुंचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने पाइपलाइन को क्षति पहुंचाने वाली संस्थाओं एवं एजेंसियों के विरुद्ध नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल सारथी मोबाइल ऐप का व्यापक स्तर पर प्रचार–प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण नागरिक इस ऐप का उपयोग कर सकें। उन्होंने कहा कि जल सारथी ऐप के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की पेयजल योजनाओं की रीयल टाइम जानकारी, योजना की स्थिति, शिकायत निवारण, ग्राम पंचायत संबंधी जानकारी एवं अन्य महत्वपूर्ण सेवाएं एक क्लिक पर उपलब्ध हैं। इसलिए सभी संबंधित विभाग आमजन को ऐप डाउनलोड करने एवं उसके उपयोग के लिए जागरूक करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बेटियाँ देश का गौरव हैं - डॉ.अब्दुल कादिर खान प्राचार्य

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति के कर–कमलों द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित होने के उपरांत मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज, जौनपुर में गुरुवार को दोनों मेधावी छात्राओं का भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। महाविद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। शिक्षक–शिक्षिकाओं, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच दोनों छात्राओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। महाविद्यालय के उर्दू विभाग की छात्रा जीनत कौसर, पुत्री जमशेद अहमद, ने स्नातक परीक्षा में 1900 में 1581 अंक (83.02 प्रतिशत) प्राप्त कर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं अंग्रेजी विभाग की छात्रा अफीफा खातून, पुत्री अयाज अहमद, ने 1900 में 1414 अंक (74.40 प्रतिशत) प्राप्त कर अपने विषय में पूर्वांचल विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए दोनों छात्राओं को विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय पहुंचने पर प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने दोनों छात्राओं को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा, ष्बेटियाँ देश का गौरव हैं। जीनत कौसर और अफीफा खातून ने अपनी प्रतिभा, कठिन परिश्रम और अनुशासन के बल पर यह सिद्ध कर दिया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और संकल्प दृढ़ हो तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। इन दोनों छात्राओं ने न केवल मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज, बल्कि पूरे जनपद जौनपुर और पूर्वांचल का मान बढ़ाया है। उनकी यह उपलब्धि महाविद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और उन्हें भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने आगे कहा कि महाविद्यालय सदैव विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासित वातावरण एवं बेहतर मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। आज यह सफलता समस्त शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। भविष्य में भी महाविद्यालय के विद्यार्थी शिक्षा, शोध, खेल एवं अन्य क्षेत्रों में नई उपलब्धियाँ हासिल कर संस्थान का नाम राष्ट्रीय स्तर तक रोशन करेंगे। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों ने भी दोनों छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दोनों छात्राओं ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता, गुरुजनों एवं महाविद्यालय के शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन को दिया। पूरे महाविद्यालय परिसर में हर्ष, उल्लास और गौरव का वातावरण बना रहा तथा विद्यार्थियों ने दोनों स्वर्ण पदक विजेता छात्राओं की उपलब्धि से प्रेरणा लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन का संकल्प लिया।

श्रावण मास शुरू होते ही सारनाथ महादेव मंदिर में उमड़ी आस्था, मूलभूत सुविधाओं की मांग

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। श्रावण मास के शुभारंभ के साथ ही बक्शा थाना क्षेत्र के उतरिजपुर स्थित प्रसिद्ध ऐतिहासिक एवं स्वयंभू सारनाथ महादेव मंदिर में गुरुवार को श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही शिवभक्तों ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक एवं विधि–विधान से पूजा–अर्चना की। मंदिर परिसर हर–हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान रहा। मंदिर की संरक्षिका एवं पुजारीन माला शुक्ला ने बताया कि श्रावण मास प्रारंभ होते ही श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। आगामी शनिवार और सोमवार को कांवड़ियों एवं शिवभक्तों की संख्या में और अधिक वृद्धि होने की संभावना है, जो पूरे श्रावण मास तक बनी रहेगी। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में शौचालय, पक्की सड़क, जल निकासी और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। बारिश के कारण परिसर में कीचड़ और जलभराव होने से श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं परिसर में स्थापित हाईमास्ट लाइट कई महीनों से खराब पड़ी है, जिससे रात्रि के समय दर्शन–पूजन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। माला शुक्ला का कहना है कि मंदिर की समस्याओं से कई बार जिला प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक न तो किसी अधिकारी ने मंदिर का निरीक्षण किया और न ही आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। इससे स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में नाराजगी है। उन्होंने जिला प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों से श्रावण मास के दौरान मंदिर परिसर में शौचालय, सड़क, जल निकासी, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्थाएं दुरुस्त कर दी जाएं तो दूर–दराज से आने वाले हजारों श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी और मंदिर की गरिमा एवं धार्मिक महत्व के अनुरूप विकास भी सुनिश्चित होगा।

मलेरिया का एक नया मरीज मिलने पर स्वास्थ्य विभाग ने मरीज के घर एवं आसपास के क्षेत्र में किया छिड़काव, बचाव की दिया जानकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद के विकासखंड करंजाकला अंतर्गत ग्राम काजीबाजार में मलेरिया का एक नया धनात्मक मरीज मिलने पर स्वास्थ्य विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मरीज के घर एवं आसपास के क्षेत्र में निरोधात्मक गतिविधियां संचालित कीं। जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव के नेतृत्व में स्वास्थ्य टीम ने मरीज का सत्यापन, मलेरिया जागरूकता, स्वास्थ्य शिक्षा, ब्रीडिंग सोर्स सर्वे, सोर्स रिडक्शन, पोस्टर चस्पा करने तथा पम्पलेट वितरण का कार्य किया।नोडल अधिकारी वीबीडी डॉ. आलोक सिंह ने बताया कि मलेरिया मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से फैलने वाला संक्रामक रोग है। इसके प्रमुख परजीवी प्लाज्मोडियम वाइवैक्स एवं प्लाज्मोडियम फैल्सीपेरम हैं। उत्तर भारत में अधिकांश मामले प्लाज्मोडियम वाइवैक्स के होते हैं, जबकि प्लाज्मोडियम फैल्सीपेरम अधिक गंभीर एवं जानलेवा हो सकता है। मलेरिया का मच्छर साफ एवं रुके हुए पानी में पनपता है तथा अंधेरे, नम एवं छायादार स्थानों में रहता है। उन्होंने बताया कि संक्रमित मच्छर के काटने के लगभग 9 से 12 दिन बाद मलेरिया के लक्षण दिखाई देते हैं। इनमें ठंड लगकर तेज बुखार आना, कंपकंपी, सिर एवं शरीर में दर्द, उल्टी, मितली, भूख कम लगना, खून की कमी, सांस फूलना तथा लीवर एवं तिल्ली का बढ़ना शामिल है। गंभीर मामलों में दिमागी मलेरिया भी हो सकता है। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि मलेरिया के लक्षण दिखाई देने पर घबराने की आवश्यकता नहीं है। जनपद के मेडिकल कॉलेज, जिला चिकित्सालय, सभी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर मलेरिया की जांच एवं उपचार की निःशुल्क व्यवस्था उपलब्ध है। समय पर जांच एवं उपचार कराने से रोग पूरी तरह ठीक हो सकता है। उन्होंने बताया कि जनवरी 2026 से अब तक जनपद में 1,76,094 संभावित मरीजों की मलेरिया जांच की जा चुकी है, जिनमें 14 मरीज मलेरिया धनात्मक पाए गए हैं। इनमें से 11 मरीजों का जांच उपचार हो चुका हैं, जबकि 3 मरीजों का उपचार जारी है। जनपद में मलेरिया से किसी भी मरीज की मृत्यु नहीं हुई है। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि जनपद में नियमित मलेरिया जॉच किया जा रहा है। सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर जांच किट एवं आवश्यक दवाएं उपलब्ध हैं। आशा एवं एएनएम द्वारा क्षेत्र में संभावित बुखार के मरीजों की पहचान कर मलेरिया की जांच कराई जा रही है। साथ ही जनसमुदाय को स्वास्थ्य शिक्षा, प्रचार–प्रसार, ब्रीडिंग सोर्स सर्वे एवं सोर्स रिडक्शन के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में 30 जुलाई 2026 को जिला मलेरिया अधिकारी के नेतृत्व में सहायक मलेरिया अधिकारी अशोक कुमार, एसएफडब्ल्यू इंद्रजीत सिंह, एफडब्ल्यू रामरूप यादव एवं आशा अमृता देवी सहित मलेरिया टीम ने ग्राम काजीबाजार में मलेरिया मरीज रेशमा पत्नी बदरे आलम के घर पहुंचकर सत्यापन, स्वास्थ्य शिक्षा, मलेरिया जागरूकता, ब्रीडिंग सोर्स सर्वे, सोर्स रिडक्शन, पोस्टर चस्पा एवं पम्पलेट वितरण सहित निरोधात्मक गतिविधियां संचालित कीं। स्वास्थ्य विभाग ने जनसामान्य से अपील की है कि मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरदानी का प्रयोग करें, घर एवं आसपास साफ–सफाई रखें, जलभराव न होने दें, कूलर, गमलों एवं फ्रिज की ट्रे का पानी सप्ताह में एक बार अवश्य बदलें, पानी की टंकियों को ढककर रखें तथा बुखार आने पर स्वयं दवा लेने के बजाय तत्काल निकटतम सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर निःशुल्क जांच एवं उपचार कराएं।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक व केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी पहुंचे काशी, समरसता संकल्प सभा में होंगे शामिल

वाराणसी, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी बुधवार को वाराणसी पहुंचे। उनका यह दौरा कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भागीदारी के लिए है। सर्किट हाउस में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उप मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी का अभिनंदन किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय नेताओं और पदाधिकारियों से मुलाकात की। पाठक ने कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों की तैयारियों पर चर्चा की। उन्होंने सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का निर्देश दिया। उप मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री को मुख्य कार्यक्रम श्समरसता संकल्प सभाश में शामिल होना है। यह सभा सामाजिक समरसता और एकता के संदेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। वह सभा में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस दौरान वह जनसभा को संबोधित भी करेंगे।

सर्किट हाउस में स्वागत और बैठक

सर्किट हाउस में उप मुख्यमंत्री के आगमन पर भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। उन्होंने श्भारत माता की जयश के नारे लगाकर उनका उत्साहवर्धन किया। पाठक ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की मजबूती पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ हैं। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की समस्याओं पर भी संक्षिप्त चर्चा की।

समरसता संकल्प सभा का उद्देश्य

समरसता संकल्प सभा का आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाने के लिए किया गया है। इसका लक्ष्य सामाजिक सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करना है। उप मुख्यमंत्री इस सभा में सरकार की नीतियों और उपलब्धियों पर प्रकाश डालेंगे। वह लोगों से एकजुट होकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की अपील करेंगे। यह कार्यक्रम काशी क्षेत्र में पार्टी की पकड़ मजबूत करने में सहायक होगा।

बैंक खातों का इस्तेमाल कर ठगी करने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी कमिश्नरेट की साइबर क्राइम पुलिस ने एक बड़े अंतरराज्यीय साइबर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह म्यूल बैंक खातों और ट्रांजेक्शन एपीके फाइल का उपयोग कर देशभर में साइबर ठगी करता था।

क्या है पूरा मामला

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। इसमें 15 एंड्रॉयड मोबाइल और तीन आईफोन शामिल हैं। इसके साथ ही 43 एटीएम कार्ड, 12 पासबुक और 10 चेकबुक भी जब्त किए गए हैं। पुलिस को 11 क्यूआर कोड और 12 सिम कार्ड भी मिले हैं। एक लैपटॉप और एक डायरी भी बरामद हुई है। गिरोह के पास से दो चार पहिया वाहन, महिंद्रा थार और हुंडई आई–20 भी बरामद किए गए हैं। इसके अलावा 12,060 रुपये नकद भी जब्त किए गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

पत्नी से झगड़े के बाद इलेक्ट्रीशियन ने की आत्महत्या

लखनऊ, संवाददाता। ठाकुरगंज के बसंतकुंज सेक्टर–आई निवासी इलेक्ट्रीशियन सोनू सोनी (30) ने पत्नी से झगड़े के बाद फंदा लगाकर जान दे दी। सोनू मूलरूप से रायबरेली के रतापुर के रहने वाले थे। उनके पिता रामनारायण सोनी ने बताया कि सोमवार दोपहर तीन बजे सोनू शराब के नशे में घर लौटा। इस पर पत्नी राधा से उसकी कहासुनी हुई। राधा बेटे को लेकर ऊपर के हिस्से में चचेरे ससुर के यहां चली गई। कुछ देर बाद लौटने पर दरवाजा अंदर से बंद मिला। परिजनों ने दरवाजा तोड़ा तो सोनू का शव पंखे से लटका मिला। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। तीन साल पहले भी सोनू ने जान देने का प्रयास किया था। इंस्पेक्टर ओमवीर सिंह चौहान के अनुसार, परिजनों ने कोई आरोप नहीं लगाया है। आत्महत्या के पीछे पारिवारिक कलह बताई गई है।

इंस्टाग्राम पर भाई बनकर डांस टीचर से 65 लाख रुपये ठगे

लखनऊ, संवाददाता। अशरफाबाद निवासी डांस टीचर बिंदिया रस्तोगी सोशल मीडिया पर बने रिश्ते के कारण ठगी का शिकार हो गईं। इंस्टाग्राम पर संपर्क में आए युवक ने उन्हें बहन का दर्जा देकर भरोसा जीता। बाद में दुबई से उपहार भेजने के नाम पर उनसे और उनके पति से करीब 65 लाख रुपये ठग लिए। बिंदिया ने आरोपी के खिलाफ साइबर क्राइम थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। बिंदिया के मुताबिक छह सितंबर 2025 को 6 सितंबर 2025 को उनकी तन्मय त्यागी से इंस्टाग्राम पर बातचीत शुरू हुई। तन्मय ने खुद को अनाथ बताकर उन्हें बहन मानने की बात कही। इसके बाद दोनों व्हाट्सएप पर बात करने लगे। कुछ समय बाद तन्मय ने उन्हें दुबई से उपहार भेजने का प्रस्ताव दिया। मना करने पर तन्मय ने भावनात्मक दबाव बनाया और वह उपहार लेने को राजी हो गईं। बिंदिया के मुताबिक, कुछ समय बाद उनके पास अनजान नंबर से कॉल आई। फोन करने वाले ने खुद को डीएचएल कूरियर कंपनी का अधिकारी बताया। उसने कहा कि पार्सल के साथ तन्मय को पकड़ लिया गया है। आरोपी ने पार्सल की तस्वीर भी भेजी, जिसमें हीरे का सेट, सोने की चूड़ियां, मोबाइल और विदेशी मुद्रा दिखाई गई थी। तन्मय और पार्सल छुड़ाने के नाम पर उनसे अलग–अलग शुल्क मांगे गए। ठग ने उनकी तन्मय से बात भी कराई, जिससे उन्हें भरोसा हो गया।

अनाथ होने की बात भी निकली झूठी

बिंदिया के अनुसार, तन्मय ने बाद में अनाथ होने की बात झूठी बताई और कस्टम को रुपये भेजने पर रकम वापसी का वादा किया। उन्होंने कुछ रकम भेजी, जिसके बाद तन्मय ने संपर्क बंद कर दिया, जबकि कूरियर अधिकारी लगातार और रकम भेजने का दबाव बनाता रहा।

पति को बताया तो वह भी ठगी के जाल में फंसे

बिंदिया ने पति को जानकारी दी तो उन्हें ठगी का एहसास हुआ, पर वे भी जाल में फंस गए और कई बार रकम भेजी। इस तरह जुलाई 2026 तक दंपती से करीब 65 लाख रुपये ठग लिए गए। परेशान होकर बिंदिया ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई।

छह लाख करोड़ की परियोजनाओं के लिए जल्द होगा भूमि पूजन

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार अगले भूमि पूजन समारोह को अब तक का सबसे बड़ा निवेश आयोजन बनाने की तैयारी में है। औद्योगिक विकास विभाग और इन्वेस्ट यूपी की समीक्षा बैठकों में बताया गया कि लगभग छह लाख करोड़ रुपये की निवेश परियोजनाएं भूमि पूजन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसके साथ ही निवेश की रफ्तार बनाए रखने के लिए सभी विभागों को 10 लाख करोड़ रुपये के नए निवेश प्रस्ताव जुटाने का लक्ष्य दिया गया है। विभागवार प्रगति की नियमित समीक्षा की जा रही है और विशेष रूप से डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में नई कंपनियों को आकर्षित करने पर जोर दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार अगले तीन माह में 500 करोड़ रुपये से अधिक निवेश वाली 50 बड़ी औद्योगिक इकाइयों और 100 करोड़ रुपये की लागत वाली 500 मध्यम परियोजनाओं को प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थापित कराने का लक्ष्य तय किया गया है। इससे करीब एक लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है। निवेश परियोजनाओं को शीघ्र धरातल पर उतारने के लिए लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) जारी करने की प्रक्रिया भी तेज कर दी गई है। वर्ष 2023 और 2024 में कुल 45 एलओसी जारी किए गए थे, जबकि वर्ष 2026 में अब तक 70 एलओसी जारी हो चुके हैं। अब प्रत्येक माह 15 नई कंपनियों को एलओसी जारी करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे निवेश प्रस्तावों के क्रियान्वयन में तेजी आएगी। वर्ष 2023 के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद प्रदेश में हजारों निवेश परियोजनाओं पर काम शुरू हुआ और उनके क्रियान्वयन की रफ्तार बढ़ी है। सरकार अब इसी गति को अगले चरण तक ले जाने की तैयारी कर रही है।

खाली स्कूलों में प्री–प्राइमरी पाठशालाएं संचालित होंगी

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वंतत्र प्रभार) संदीप सिंह ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए योगी सरकार में प्राथमिक शिक्षा में किए गए सुधारों की चर्चा की और कहा कि कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों को पास के विद्यालयों में विलय किया जाएगा और रिक्त विद्यालयों में प्री–प्राइमरी पाठशालाएं संचालित की जाएंगी। प्री–प्राइमरी कक्षाओं का संचालन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पहली बार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नकल अध्यादेश लाकर शिक्षा व्यवस्था को पारदर्शी बनाया गया था जिसे पूर्ववर्ती सरकार ने रद्द कर दिया। उदाहरण के तौर पर पूर्ववर्ती सरकार के दौरान हुई विभिन्न परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक का जिक्र किया गया। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का शिक्षा बजट पूर्ववर्ती सरकार के समय में 28,000 करोड़ रुपये था जो अब बढ़कर 1,13,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। सरकारी विद्यालयों में नामांकन 1.34 करोड़ से बढ़कर 1.90 करोड़ हो गया है। स्कूलों में ड्रॉपआउट दर 19 प्रतिशत से घटकर 3 प्रतिशत हो गई है। बता दें कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बयान दिया था कि यूपी में सबसे ज्यादा प्राइमरी स्कूल बंद हुए और गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के क्षेत्र में 500 प्राइमरी स्कूल बंद हुए। आरक्षण भी इनके एजेंडे में नहीं है।

पैरावेट एवं पशु मित्रों ने अपनी प्रमुख मांगों को हड़ताल में शामिल होकर सीवीओ को सौपा ज्ञापन,टीकाकरण व्यवस्था चरमराई

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।पशु पालन विभाग में प्रदेश स्तर पर चल रही पैरावेट एवं पशु मित्रों की हड़ताल का असर अब जिले मे भी दिखाई दे रहा है।जिसका असर तारुन ब्लॉक में भी दिखाई दे रहा है।ब्लॉक के सभी पैरावेट और पशु मित्र हडताल में शामिल हो गये है।जिसके चलते बरसात में पशुओं में फैलने वाली गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए लगने वाले टीके नहीं लग पा रहे हैं।देखा जाये तो इस कारण पूरे क्षेत्र में टीकाकरण व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।वही पशु पालन विभाग अपनी फजीहत बचाने के लिए अप्रशिक्षित वैक्सीनेटरों से टीका लगवाने का कार्य कर रहा है, जिससे किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है।इस संबंध मे जनपद अयोध्या इकाई के जिला अध्यक्ष रजनीश उपाध्याय ने जानकारी देते हुए बताया कि 22 जुलाई से जनपद के सभी विकास खंडों में आंदोलन चल रहा है।इस संबंध में मांग पत्र देकर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अयोध्या डाक्टर इंद्रदेव के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौपा गया।यह आंदोलन प्रदेश के सभी जनपदों में एक साथ संचालित है।पशु चिकित्सालय तारुन के आंदोलन में शामिल पैरावेट मोहम्मद साबिर हुसैन, दालसिंगार सिंह, धर्मराज वर्मा, महेंद्र पाठक, राम दिवाकर पांडे, इंद्रजीत वर्मा, जयप्रकाश वर्मा आदि ने बताया कि खुरपका–मुंहपका रोग का टीका पूरी तरह से नहीं लगाया जा रहा है।वही चल रहे आंदोलन के तहत सभी कार्यों का बहिष्कार किया गया है।आंदोलनकारियों की मुख्य मांगें नियमित मानदेय और बकाया भुगतान की हैं। जिला अध्यक्ष ने कहा कि यह आंदोलन सरकार के मानने तक अनवरत जारी रहेगा। यदि सरकार शीघ्र मांगें नहीं मानती है तो आंदोलन को पहले से तय रूपरेखा के अनुसार दूसरे चरण में बदला जाएगा।इस संबंध में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ हरेंद्र ने बताया कि उन्होंने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौपा।

फलक जहरा ने नीट में चयनित होकर किया जिले का नाम रोशन

(राजा तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। शहर की फलक जहरा ने नीट परीक्षा में 597 अंक पाकर आल इंडिया रैंक 11030 प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया।इस मौके पर राठहवेली निवासी फलक जहरा पुत्री शहजादे आलम को उनके आवास जाकर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने सम्मानित किया।बताते चले कि फलक जहरा ने नीट परीक्षा में 597 अंक पाकर आल इंडिया रैंक 11030 प्राप्त कर अयोध्या जिले का नाम रौशन किया,इससे पूर्व भी फलक जहरा ने 2023 में हाईस्कूल परीक्षा में प्रदेश की टॉप टेन की सूचि में जगह बनाई थी ,आज उनके राठहवेली आवास पहुंचकर पूर्व मंत्री ने बुके देकर सम्मानित किया, इस मौके पर पूर्व मंत्री ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि मेरी विधानसभा की बिटिया ने अयोध्या का नाम रौशन किया मैं बधाई दूँगा फलक जहरा के पिता को भी जिन्होंने एक प्रिंटिंग प्रेस

चलाके अपनी बिटिया को अच्छी शिक्षा दी , मैं सभी माता पिता से ये कहना चाहूँगा कि भले आप कम मे गुजारा करे लेकिन बच्चों को अच्छी शिक्षा दे आज फलक जहरा उन तमाम बिटिया के लिए मिसाल बनी है ,मैं उनके माता पिता सहित पूरे वार्ड वासियों को बधाई देता हू सपा प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम, प्रवक्ता राकेश यादव,रिजवान हसनैन (पूर्व पार्षद) ,हसन इकबाल, अहमद जमीर सैफी, कामिल हसनैन, गुफरान हसनैन,जियो हैदर, शमशीर अब्बास, रियाजुला हसन , ज्ञानेन्द्र शुक्ला, मोनू पाठक इत्यादि लोग मौजूद थे।

साप्ताहिक बंदी के दिन नगर निगम की प्रवर्तन टीम ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

(डॉक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। साप्ताहिक बंदी के दिन नगर निगम की प्रवर्तन टीम ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया।यह कार्यवाई चौक से फतेहगंज मार्ग तक की गई।टीम मैं शामिल अधिकारियों और कर्मियों ने सड़क के दोनों ओर दुकानों के सामने नालियों पर लगी जालियां हटाई गईं।अवैध अतिक्रमण हटाकर सड़क को खाली कराया गया।ठेला, खोमचा और पटरी दुकानदारों को सड़क पर दुकान न लगाने की हिदायत दी गई।नगर निगम ने दुकानदारों से निर्धारित स्थान पर ही व्यापार करने की अपील की।अभियान का उद्देश्य शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाना है।जोनल अधिकारी सुब्रत तिवारी ने कहा कि अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।नगर निगम ने नागरिकों और व्यापारियों से अभियान में सहयोग करने की अपील की।

'जिलाधिकारी की अध्यक्षता मे 01 अगस्त को होगा तहसील शाहाबाद मे सम्पूर्ण समाधान दिवस'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' गुरुवार को जिलाधिकारी अनुनय झा ने बताया है कि माह अगस्त 2026 में सम्पूर्ण समाधान दिवस के आयोजन का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि 01 अगस्त 2026 को तहसील शाहाबाद मे आहूत सम्पूर्ण समाधान दिवस अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में तथा तहसील बिलग्राम में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में, सण्डीला में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 की अध्यक्षता में, सवायजपुर में अपर जिलाधिकारी न्यायिक की अध्यक्षता में और तहसील सदर में नगर मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जायेगा। जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि इसी तरह 15 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस अवकाश के कारण 17 अगस्त 2026 को तहसील सवायजपुर में आहूत सम्पूर्ण समाधान दिवस अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में तथा बिलग्राम में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में, सण्डीला में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 की अध्यक्षता में, शाहाबाद में अपर जिलाधिकारी न्यायिक की अध्यक्षता में और तहसील सदर में नगर मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जायेगा। उन्होने बताया कि अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में आहूत होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक सहित समस्त जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा तथा अन्य तहसीलों में उनके द्वारा नामित अधिकारियों की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस में अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी सहित तहसील, ब्लाक, नगर पालिका/नगर पंचायत तथा थाना स्तरीय अधिकारियों द्वारा भाग लिया जायेगा।

महिला फरियादियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करना नवागत महिला थानाध्यक्ष अंबेडकर नगर प्रियांशु भट्ट की प्रथम प्राथमिकता

अयोध्या।अयोध्या रेंज मे एसपी अंबेडकर नगर प्राची सिंह ने प्रियांशु भट्ट को थानाध्यक्ष महिला थाना का प्रभार सौपा।इसके बाद गुरुवार को उन्होंने कार्यभार ग्रहण कर लिया।कार्यभार ग्रहण करने के बाद सबसे पहले उन्होंने अपने अधीनस्थ महिला पुलिसकर्मियों के साथ बैठक किया।बैठक मे उन्होंने श्रावण मास को लेकर कांवरियों तथा श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की कठिनाई न हो।बैठक मे कावड़ यात्रा के दौरान आवागमन बाधित न हो।इस पर भी चर्चा किया।उन्होंने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही अति महत्वपूर्ण योजनाओं में शामिल बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मिशन शक्ति अभियान फेज – 5 के तहत समय पर महिलाओ,बेटियों,छात्राओं को जागरूक किया जाएगा। बताया कि शासन के मंशानुरुप कार्य करना उनकी प्रथम प्राथमिकता है। जिसमें थाना पर महिलाओं की समस्याओं को को सुनकर त्वरित समाधान करना उनका प्रयास रहेगा उन्होंने बताया कि किसी भी महिला या बेटियों को किसी भी तरह की परेशानी हो तो वह बेहिचक थाने पर आकर उनसे कह सकती हैं।

कांवड़ यात्रा को लेकर एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने जिले के सीमा क्षेत्र का किया निरीक्षण

अयोध्या। श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा,सुचारु रूप से यातायात व्यवस्था को सुगम बनाए रखने के लिए एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने सीमा क्षेत्र का निरीक्षण किया।इस मौके पर उन्होंने सावन मेला कावड़ यात्रा को लेकर थानाध्यक्ष गोसाईगंज अभिमन्यु शुक्ला, महिला उप निरीक्षक चेतना पांडे सहित अन्य पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।इस मौके पर उन्होंने संवेदनशील स्थलों के साथ साथ उन मार्गों का भी निरीक्षण किया,जहाँ से श्रावण मास के दौरान कांवरियों तथा अन्य श्रद्धालुओं का आवागमन भारी संख्या में बना रहता है।उन्होंने बताया कि श्रावण मास के दौरान अम्बेडकरनगर, गोण्डा, बस्ती, बहराइच, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर सहित विभिन्न जनपदों से लाखों श्रद्धालु अयोध्या धाम पहुंचकर पावन सरयू में स्नान, श्री नागेश्वरनाथ मंदिर में जलाभिषेक तथा सरयू जल लेकर अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान करते हैं।इस दौरान

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर विशेष कार्य योजना तैयार की गई है।उन्होंने बताया कि श्रावण मास का प्रारंभ हो चुका है।जिसके चलते विभिन्न जिलों से अयोध्या आने वाले कावड़ियों व श्रद्धालुओं के भारी संख्या में भीड़ आती है। इस दौरान इन्हें किसी कठिनाइयों का सामना न करना पड़े इसके लिए पुलिस कोई कर कम नहीं छोड़ रही है। बताया कि श्रावण मास मे प्रथम सोमवार 3 अगस्त, द्वितीय सोमवार 10 अगस्त,तृतीय सोमवार 17 अगस्त, चतुर्थ सोमवार 24 अगस्त के अलावा सावन त्रयोदशी 26 अगस्त तथा 28 अगस्त को रक्षा बंधन एवं श्रावण पूर्णिमा स्नान के अवसर पर अत्यधिक भीड़ की संभावना है।इसे दृष्टिगत रखते हुए 29 जुलाई से 28 अगस्त 2026 तक सभी प्रमुख मार्गों एवं मेला क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है। बताया कि इसके अलावा विभिन्न पर्वों और श्रावण मास की सोमवार के दिन को देखते हुए रोड डायवर्जेंट भी किया जाएगा।

कोतवाली नगर पुलिस ने चलाया चेकिंग अभियान

अयोध्या।बुधवार को देर शाम कोतवाली नगर पुलिस ने चौक समेत विभिन्न चौराहों पर चेकिंग अभियान चलाया। इस मौके पर उन्होंने चौक के अलावा फतेहगंज, सुभाष नगर, रिकाबगंज, सिविल लाइन सहित अन्य प्रमुख चौराहों पर वाहन चेकिंग भी किया।इसके अलावा उन्होंने अतिक्रमणकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर दोबारा कोई भी चौक समेत अन्य प्रमुख मार्गों पर अतिक्रमण करते हुए पाया गया तो उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर मनोज शर्मा ने बताया कि श्रावण मास मेले के दौरान विशेष सतर्कता भी बरती जा रही है।बताया कि पिछले एक सप्ताह में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले करीब 150 वाहनों का चालान किया गया।

गुरु पूर्णिमा पर सरयू स्नान के लिए उमड़ी भक्तों की भीड़

लखनऊ, संवाददाता। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को रामनगरी आस्था और श्रद्धा से सराबोर रही। भोर से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु सरयू घाटों पर पहुंचे और विधि–विधान से पुण्य स्नान किया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने श्रीरामजन्मभूमि सहित हनुमानगढ़ी, कनक भवन और अन्य प्रमुख मंदिरों में दर्शन–पूजन कर

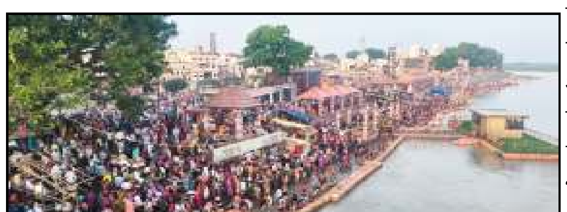

सुख–समृद्धि की कामना की। कई स्थानों पर गुरु पूजन, भजन–कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हुआ, जहां शिष्यों ने अपने गुरुजनों का सम्मान कर आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरु पूर्णिमा के चलते मंदिरों और घाटों पर दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन के जवान प्रमुख स्थलों पर तैनात रहे व श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। आज यह स्नान पूरे दिन चलता रहेगा। प्रदेश सरकार गुरु परंपरा से जुड़े स्थलों के संरक्षण और विकास पर जोर दे रही है। आध्यात्मिक पर्यटन विकास के माध्यम से मंदिरों, आश्रमों और गुरुद्वारों को संवारा जा रहा है। इसका उद्देश्य सांस्कृतिक विरासत को सशक्त करना और नई पीढ़ी को अपनी ज्ञान परंपरा से जोड़ना है। प्रदेश में महर्षि वेदव्यास, संत रविदास और गुरु गोरक्षनाथ जैसी विभूतियों ने भारतीय संस्कृति को दिशा दी। महोबा में गोरखगिरि पर्वत पर 11.25 करोड़ की लागत से 51 फीट ऊंची गुरु गोरखनाथ की कांस्य प्रतिमा स्थापित की गई है। अमेठी के जायस में 5.95 करोड़ से 25 फीट ऊंची गुरु गोरखनाथ की योग मुद्रा वाली कांस्य प्रतिमा का निर्माण हो रहा है। इसी तरह वाराणसी में संत रविदास की जन्मस्थली सीर गोवर्धन धाम के पुनर्विकास पर 51.54 करोड़ खर्च किए गए हैं। देवरिया में ब्रह्मऋषि देवरहा बाबा आश्रम के पर्यटन विकास पर 2.50 करोड़ की परियोजना चल रही है।

डायट में नोडल शिक्षकों की कार्यशाला का हुआ आयोजन

अयोध्या। गुरुवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के सफल आयोजन एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जनपद स्तरीय नोडल शिक्षकों की कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की थीम और उप–विषयों,शोध पद्धति एवं विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के बारे में प्रशिक्षित करते हुए अयोध्या के बाल वैज्ञानिकों का अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण कराना रहा।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ प्रवक्ता डायट चंद्रभूषण पाण्डेय रहे।कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की मार्ग दर्शिका का विमोचन आदरणीय वरिष्ठ प्रवक्ता डायट चंद्रभूषण पाण्डेय,प्रवक्ता देवेन्द्र सिंह, प्रवक्ता राकेश कुशवाहा,प्रवक्ता सुनील सिंह ,प्रवक्ता पूजा पाठक के द्वारा किया गया।इस मौके पर जिला समन्वयक डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी द्वारा राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2026–27 की रूपरेखा,शोध चयन की प्रक्रिया, स्थानीय समस्याओं पर आधारित वैज्ञानिक अनुसंधान तथा नवाचार आधारित परियोजनाओं के निर्माण के संबंध में विस्तृत जानकारी दिया।

जन्मदिन पर माँ के नाम रक्तदान, रेड क्रॉस का जनजागरूकता अभियान

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव' 'शाहजहाँपुर' इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के आजीवन सदस्य अग्रज जौहरी ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर शासकीय मेडिकल कॉलेज, शाहजहाँपुर के रक्तकोष विभाग

में स्वैच्छिक रक्तदान कर युवाओं के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उन्होंने माँ ने दिया ।

इग्नू में प्रवेश की अंतिम तारीख 31 जुलाई, आवेदन जारी

सुल्तानपुर, संवाददाता। केएनआईपीएसएस स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र में जुलाई 2026 सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। इच्छुक अभ्यर्थी 31 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। केंद्र पर स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। जिला समन्वयक शक्ति सिंह ने बताया कि इग्नू शिक्षा मंत्रालय के अधीन एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है। इसके सभी पाठ्यक्रम यूजीसी से मान्यता प्राप्त हैं। यह अवसर नियमित शिक्षा से वंचित विद्यार्थियों और कार्यरत युवाओं के लिए उपयोगी है। यूजीसी प्रावधानों के अनुसार, विद्यार्थी एक नियमित डिग्री के साथ इग्नू का दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम भी कर सकते हैं। एमएसडब्ल्यू, बीए, एमए, बीकॉम, एमकॉम, बीबीए जैसे रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम भी उपलब्ध हैं। एससी–एसटी विद्यार्थियों को नियमानुसार 50 फीसदी शुल्क छूट मिलेगी। प्रवेश समर्थ पोर्टल से हो रहे हैं, जबकि परीक्षाएं इग्नू अध्ययन केंद्र में आयोजित होंगी।

हाईकोर्ट का बड़ा आदेश– 24 अगस्त तक जिले के किसी भी अदालत परिसर में प्रवेश नहीं कर पाएंगे चार वकील

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ जिला न्यायालय परिसर में 21 जुलाई को हुई हिंसा के मामले में हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने स्वतः संज्ञान लेते हुए चार अधिवक्ताओं के 24 अगस्त तक जिले में किसी भी अदालत परिसर

में प्रवेश पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने यह आदेश दिया। हिंसक घटना में याचिकाकर्ता पर हमला करने के साथ उसे धमकी दी गई थी। कोर्ट ने वकीलों के एक वर्ग के जमीन हड़पने, संगठित कदाचार और कानूनहीनता के आरोपों को लेकर भी निर्देश जारी किए। इनमें इन वकीलों के खिलाफ खुफिया ब्यूरो (आईबी) की गोपनीय जांच, दस वर्ष के आयकर रिटर्न समेत संपत्ति का पूर्ण खुलासा और पीड़ित को पुलिस सुरक्षा देना शामिल है। ये कार्रवाई अधिवक्ता अभिप्सा मोहंती, कोमल अग्रवाल और आशुतोष श्रीवास्तव की ओर से प्रस्तुत आवेदन के आधार पर शुरू हुई। इसमें लखनऊ जिला न्यायालय परिसर में हुई घटना का विस्तृत विवरण था। इसके बाद हाईकोर्ट ने आवेदन को जनहित याचिका के रूप में पंजीकृत करने का आदेश दिया।

अराजकता पर जताई चिंता

हाईकोर्ट ने जिला न्यायालय परिसर के अंदर अराजकता और कर्मचारियों की ओर से सुरक्षा में हुई चूक पर गहरी चिंता जताई। अदालत ने कहा कि लखनऊ जिला न्यायालय में वकीलों के ऐसे समूह हैं जो संपत्ति की हेराफेरी और उसे हड़पने में लिप्त हैं। वे अदालती कार्यवाही को अपने या उनके वादियों के पक्ष में प्रभावित करने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष आर. एल. पाण्डेय जूमएक्स बिजनेस एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2026 से सम्मानित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जूमएक्स मोशन पिक्चर्स एंड इवेंट्स द्वारा आयोजित जूमएक्स बिजनेस एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2026 का भव्य एवं गरिमामय आयोजन गोमती नगर स्थित द ग्रैंड जेबीआर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस प्रतिष्ठित समारोह में उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए उद्योगपतियों, उद्यमियों, शिक्षाविदों, चिकित्सकों, कलाकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, व्यवसायिक संस्थानों एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले प्रतिभाशाली व्यक्तित्वों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार आर. एल. पाण्डेय को पत्रकारिता एवं सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान, निष्पक्ष एवं जनहितकारी पत्रकारिता तथा समाज के प्रति समर्पित सेवाओं के लिए जूमएक्स बिजनेस एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2026 से सम्मानित किया गया। उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर उनके उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की गई। इस सम्मान की घोषणा होते ही

उपस्थित अतिथियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम में अनेक प्रतिष्ठित अतिथियों, विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों तथा गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि समाज के विकास, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा तथा जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में निष्पक्ष, निर्भीक और जिम्मेदार पत्रकारों का सम्मान समाज के लिए प्रेरणादायी है। सम्मान प्राप्त करने के उपरांत आर. एल. पाण्डेय ने आयोजन समिति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत उन सभी पत्रकारों के समर्पण, ईमानदारी और संघर्ष का सम्मान है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाकर समाज और प्रशासन के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी निष्पक्ष, तथ्यपरक एवं जनकल्याणकारी पत्रकारिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि वे समाजहित के मुद्दों को पूरी निष्ठा के साथ उठाते रहेंगे। समारोह का समापन सभी सम्मानित विभूतियों को शुभकामनाएँ एवं बधाई देकर किया गया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।